श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-४,कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र,नई दिल्ली-११००१६

दिनांक 20 जून, 2024 को अध्ययन मण्डल की बैठक का कार्यवृत

दिनांक: 20.06.2024

शिक्षाशास्त्री (B.Ed), शिक्षाचार्य (M.Ed) एवं विद्यावारिधि शिक्षा (Ph.D Education) पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में अध्ययन मण्डल की बैठक पीठाध्यक्ष की अध्यक्षता में दिनांक 20.06.2024 को अपराह्न 2:00 बजे ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न हुई। बैठक में अध्ययन मण्डल के निम्नलिखित सदस्य है-

1. प्रो.सदन सिंह, पीठप्रमुख
2. प्रो. के.भरत भूषण, सदस्य
3. प्रो. रचना वर्मा मोहन, सदस्य
4. प्रो. मीनाक्षी मिश्र, सदस्य
5. डा. मनोज कुमार मीणा, सदस्य
6. डा. विचारी लाल मीना, सदस्य
7. डा. सविता राय, सदस्य
8. डा. तमन्ना कौशल, सदस्य
9. प्रो. बी.पी.भारद्वाज, बाह्य विशेषज्ञ (एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली)

सभी सदस्यों ने निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार-विमर्श किया-

1. शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 28-29 फरवरी एवं 01 मार्च, 2024 को आयोजित पाठ्यक्रम पुनरीक्षण कार्यशाला द्वारा नवीकरण एवं अद्यतन किये गये शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रमों को विद्यापरिषद् की बैठक में स्वीकृति हेतु भेजने के सन्दर्भ में।

2. पाठ्यक्रमों के माध्यम के सन्दर्भ में-

i. संस्कृत भाषा की अनिवार्यता में छूट दी जाये जिससे छात्र संख्या बढ़ सके।

ii. शिक्षाशास्त्र सम्बन्धी राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षाएं यथा UGC-NET एवं CTET का माध्यम हिन्दी अथवा अंग्रेजी होना।

iii. शिक्षाशास्त्रीय विषयों यथा शिक्षा मनोविज्ञान, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, मापन एवं मूल्यांकन, शैक्षिक प्रबन्धन, मानवाधिकार शिक्षा, समावेशी शिक्षा एवं शैक्षिक शोध आदि में मानक ग्रन्थों एवं सम्बन्धित साहित्य की संस्कृत भाषा में उपलब्धता न होना।

उपर्युक्त बिन्दुओं पर गम्भीरता पूर्वक विचार करते हुए समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से निम्न की-

1. शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रमों को दिनांक 24.06.2024 को आयोजित होने वाली वि की नवीं बैठक में स्वीकृति हेतु भेजने की संस्तुति की।

2. शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं विद्यावारिधि में पूर्व की भाँति संस्कृत माध्यम की अनिवार्यता में छूट देने की संस्तुति की।

3. शिक्षाशास्त्री कक्षा में संस्कृत शिक्षण एवं शास्त्र शिक्षण सम्बन्धित विषय यथा- साहित्य शिक्षण, व्याकरण शिक्षण, द शिक्षण, ज्योतिष शिक्षण, वेद शिक्षण तथा कर्मकाण्ड शिक्षण विषयों में संस्कृत माध्यम अनिवार्य रूप से रखने की संस्तु की।

4. आधुनिक विषयों यथा शिक्षा दर्शन, शिक्षा मनोविज्ञान, सूचना सम्प्रेषण प्रौद्यौगिकी, शैक्षिक प्रबन्धन, निर्देशन उपबोधन, मानवाधिकार शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, समावेशी शिक्षा, जीवन कौशल शिक्षा एवं शैक्षिक शोध आदि विषयों मानक ग्रन्थों की संस्कृत भाषा में उपलब्धता न होने के कारण इनका माध्यम विद्यार्थियों की भाषा दक्षता के अनुस संस्कृत/हिन्दी भाषा के वैकल्पिक चयन हेतु संस्तुति की।

4. गुणवत्तापूर्ण तथा उत्कृष्ट शोध कार्य की दृष्टि से शिक्षाचार्य के लघुशोध प्रबन्ध एवं विद्यावारिधि के शोध प्रबन्ध विद्यार्थियों/शोधार्थियों की भाषा दक्षता अनुरूप संस्कृत/हिन्दी/अंग्रेजी भाषा के चयन के वैकल्पिक अवसर का प्रावध करने की संस्तुति की।

अंत में पीठाध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

(सदन सिंह)	अनुपस्थित (रमेश प्रसाद पाठक)	ऑनलाइन (के.भरत भूषण)	(रचना वर्मा मोहन)

प्रो. सदन सिंह / Prof. Sadan Singh
पीठाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष / Dean & HOD
शिक्षा विभाग / शिक्षापीठ
Education Deptt./ Faculty of Education
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

(विमलेश शर्मा)	ऑनलाइन (मीनाक्षी मिश्र)	अनुपस्थित (अमिता पाण्डेय भारद्वाज)	अनुपस्थित (एम.जय.कृष्णन)

ऑनलाइन (मनोज कुमार मीणा)	ऑनलाइन (विचारी लाल मीना)	ऑनलाइन (सविता राय)	ऑनलाइन (तमन्ना कौशल)

ऑनलाइन
(बी.पी.भारद्वाज)
बाह्य विशेषज्ञ

कार्यशाला प्रतिवेदन

शिक्षाशास्त्र विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा शिक्षाशास्त्री तथा शिक्षाचार्य के पाठ्यक्रमों के पुनरीक्षण एवं नवीकरण हेतु प्रो. सदन सिंह की अध्यक्षता एवं बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो गोपीनाथ शर्मा जी (पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष शिक्षा शास्त्र विभाग, जगद्गुरु रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान) और प्रो अनिता रस्तोगी (प्रोफेसर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली) के मार्गदर्शन में दिनांक 28, 29 फरवरी एवं 1 मार्च 2024 को त्रिदिवसीय "अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम पुनरीक्षण" कार्यशाला का आयोजन 12 सत्रों में किया गया। जिसमे सभी विभागीय आचार्यों, सह आचार्य तथा सहायकाचार्यों ने सहभागिता की। कार्यशाला का प्रथम सत्र आदरणीय गोपीनाथ जी के उद्बोधन से शुरू हुआ। अपने उद्बोधन में उन्होंने पाठ्यक्रम पुनरीक्षण में भारतीयता से परिपूर्ण दृष्टि रखने एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य में भविष्योन्मुखी सोच से आगे बढने, जॉय फुल लर्निंग, एनईपी 2020, भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित कौशल एवं अनुसंधान परक पाठ्यचर्या निर्मित करने पर बल दिया। तत्पश्चात कार्यशाला के अन्य सभी 12 सत्रों में बाह्य विषय विशेषज्ञों एवं संकाय सदस्यों द्वारा शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed.) पाठ्यक्रमों को सत्रानुसार क्रमानुसार अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) के मानकों, यूजीसी नेट एवं सीटेट पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए समसामयिक आवश्यकताओं तथा भारतीय शिक्षा को भविष्योंमुखी स्वरूप प्रदान करने हेतु गहन विचार विमर्श किया तथा पाठ्यचर्या को अद्यतन स्वरूप प्रदान करने हेतु आगामी सत्रों हेतु प्रस्तावित किया गया। कार्यशाला में पाठ्यक्रमों के प्रारूप को यथावत रखते हुए पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुछ संशोधन एवं परिवर्तन किए गए जिनका विवरण इस प्रकार है-

शिक्षा शास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed.) पाठ्यक्रम के पत्रों में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं एन ई पी 2020 के संदर्भ में प्रथम सेमेस्टर से लेकर चतुर्थ सेमेस्टर के विभिन्न विषयों में आंशिक परिवर्तन किए गए।

शिक्षा शास्त्री (B.Ed.) प्रथम सेमेस्टर के अंतर्गत पढ़ाए जाने वाले "सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग" सैद्धांतिक पत्र के साथ- साथ प्रायोगिक कार्य पर अधिक बल दिया गया। साथ ही इस पत्र को "शिक्षण शास्त्र एवं सूचना संप्रेषण प्रौद्योगिकी (Pedagogy and ICT)" पत्र के रूप में परिवर्तित किया गया।

शिक्षा शास्त्री (B.Ed.) द्वितीय सेमेस्टर के अंतर्गत पढाए जाने वाले क्रियात्मक अनुसंधान पत्र के स्थान पर भारतीय ज्ञान परम्परा (I.K.S.) पत्र को रखा गया।

शिक्षा शास्त्री (B.Ed.) के प्रथम सेमेस्टर के ईपीसी "संस्थागत नियोजन एवं नेतृत्व कौशल" के स्थान पर द्वितीय सेमेस्टर के ईपीसी "सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी का समीक्षात्मक अवबोध" तथा द्वितीय सेमेस्टर में ईपीसी क्रियात्मक अनुसंधान को रखा गया।

तृतीय सेमेस्टर में ईपीसी के अंतर्गत शिक्षण शास्त्रीय कौशल, क्रियात्मक अनुसधान आधारित परियोजना के साथ अधिगम आकलन एवं विद्यालय अभिलेख एव प्रबधन को भी जोड़ा गया।

शिक्षा शास्त्री (B.Ed.) चतुर्थ सेमेस्टर के अंतर्गत पढाए जाने वाले पत्र पर्यावरण शिक्षा का नाम परिवर्तित कर "पर्यावरण शिक्षा एवं सुस्थिर विकास" किया गया।

शिक्षा शास्त्री (B.Ed.) चतुर्थ सेमेस्टर के अंतर्गत पढ़ाए जाने वाले पत्र "मूल्य शिक्षा एवं व्यवसायिक आचार" के स्थान पर "जीवन कौशल शिक्षा" पत्र को रखे जाने की संस्तुति की गई।

शिक्षा शास्त्री तृतीय सेमेस्टर की शैक्षिक गतिविधि (S...) विद्यालय शिक्षकों द्वारा विशिष्ट व्याख्यान के स्थान पर सहपाठी कक्षाकक्ष शिक्षण प्रेक्षण को रखा गया।

शिक्षाचार्य पत्र संख्या 12 के विकल्पों (i) से (iii) को भारतीय ज्ञान परंपरा (I.K.S.) के रूप में संकेंद्रिक पत्र के रूप में समाहित किया गया।

पत्र संख्या 12 के विकल्प (iv) एवं (v) को पत्र संख्या 13 में वैकल्पिक विषयो के रूप में स्थानांतरित किया गया।

शिक्षा शास्त्री एवं शिक्षाचार्य के अंतर्गत शैक्षिक भ्रमण के स्थान पर छात्रो द्वारा स्वयं दो या तीन शैक्षिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कर के प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को भी समाहित किया गया।

शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य के प्रायोगिक कार्यो एवं शैक्षिक गतितिधियों मे आंशिक परिवर्तन वि

त्रिदिवसीय इस कार्यशाला में कुछ सुझाव दिए गए-

सभी पाठ्यक्रमों के प्रश्न पत्रों के सत्रीय कार्य में नवीन पाठ्यक्रमानुसार अपेक्षित परिवर्तन किए

सभी पाठ्यक्रमों के प्रश्न पत्रों की संदर्भ सूची में नए संदर्भ जोड़कर उन्हें अद्यतन बनाया जाए।

ईपीसी पाठ्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु इन पाठ्यक्रमों को उन्नत किया जाए।

शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य पाठ्यक्रमों में SWAYAM - MOOCS के न्यूनतम दो क्रेडिट के कोर्स भी समाहित किया जाए।

(प्रो. सदन सिंह)

प्रो. सदन सिंह / Prof. Sadan Singh
पीठाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष / Dean & HOD
शिक्षा विभाग / शिक्षापीठ
Education Deptt./ Faculty of Education
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

(प्रो. रचना वर्मा मोहन)
कार्यशाला संयोजिका